PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA GANGAVATHI

E-MAGAZINE 2023-24

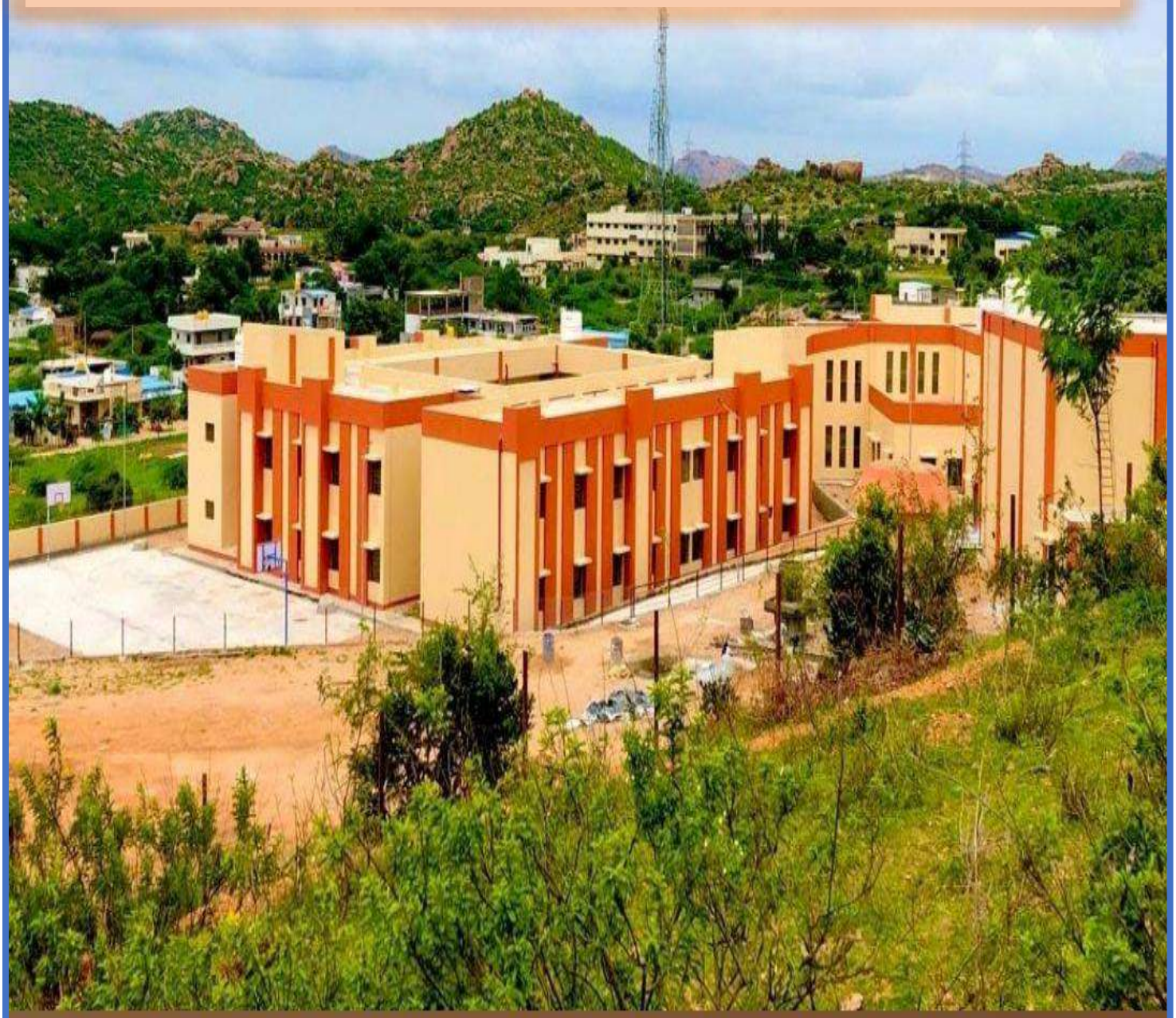

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय गंगावती सत्र 2023-24 के निमित अपनी ई विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

ई विद्यालय पत्रिका के माध्यम से हम न केवल विद्यालय की विगत वर्ष की समस्त गतिविधियों की झलक पाते हैं अपितु छात्रों और शिक्षकों को अपने अंतर्निहित सृजनात्मक प्रतिभा एवं कल्पनाशीलता की अभिव्यक्ति को तराशने का सुअवसर प्राप्त होता है।

ई पत्रिका बच्चों की सुषुप्त रचनात्मक प्रवृत्ति को अंकुरित कर उसे पल्लवित -पुष्पित करने का एक सुगम माध्यम है, साथ ही यह विद्यालय की वर्ष भर की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का दर्पण भी है।

ई पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु विद्यालय के प्राचार्य शिक्षकगण एवं छात्रों को मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रकट करता हूँ जिनके अथक प्रयास, सहयोग व दिशा निर्देशन में ई की पत्रिका का यह वार्षिक अंक प्रकाशित होने जा रहा है।

श्री नलिनी अतुल

जिलाधीश कोप्पल

सह अध्यक्ष

विद्यालय प्रबंधन समिति

संदेश

केन्द्रीय विद्यालय संगठन इस राष्ट्र में विद्यालय शिक्षा का ध्वजवाहक है। संगठन के सिरमौर बनने का कारण है हमारे विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर राष्ट्रहित में कार्य करना।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय गंगावती ने के. वि. स. के ध्येय वाक्य को अपने कार्यों के माध्यम से सदैव चरितार्थ किया है। इसी क्रम में विद्यालय द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका विद्यालय की एक नैसर्गिक तस्वीर है जिसमें विद्यालय द्वारा वर्ष भर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की झलकियों के अलावा युवा मन में प्रस्फुटित होने वाले ज्ञानांकुर का एक दर्पण है।

साहित्य और रचना युवा मन को प्रसन्न करते हैं जिससे युवा मन लेखनी के सहारे उड़ान भरने का प्रयत्न करता है। विद्यालय ई-पत्रिका छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को एक मंच प्रदान करने का सर्वोत्तम साधन है। पत्रिका में संकलित प्रत्येक रचना सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन विद्यालय परिवार के सामूहिक उद्यम का परिणाम है इस सराहनीय प्रयास के लिए मैं अनेक बधाई व शुभकामनाएं ज्ञापित करता हूँ।

हार्दिक शुभेच्छा के साथ.....।

श्री धर्मेंद्र पटले
उपायुक्त
बेंगलरू संभाग

प्राचार्य का संदेश

"बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि कैसे सोचना है, ना की क्या सोचना है।" - मार्गरेट मीड

मेरे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारा विद्यालय प्रति वर्ष वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करता है। पत्रिका विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है । विद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ साथ छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक गतिविधियां वर्ष पर्यंत चलती रहती हैं । इस पत्रिका के माध्यम से आप अवगत हो सकेंगे कि विद्यालय में खेलकूद एवं विभिन्न कौशलों के विकास के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता है, जिसमें विद्यार्थी भाग लेते हैं और अपनी प्रतिभा को निखारते हैं । हमारा प्रयास है कि प्रगति पथ पर चलकर हमारे विद्यार्थी अपने लक्ष्य को पाने में सफल हो सके, इस सन्दर्भ में मुझे यह पंक्तियाँ हमेशा प्रेरित करती रहती है ।

गहन-सघन मनमोहक वन तरु मुझको आज बुलाते हैं
किन्तु किए जो वादे मैंने, याद मुझे आ जाते हैं
अभी कहाँ आराम बदा यह मूक निमंत्रण छलना है
अरे, अभी तो मीलों मुझको मीलों मुझको चलना है ।

मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध,देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक बनेंगे एवं समाज और देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएँगे।

श्री उमेश प्रजापति
प्राचार्य

संपादकीय

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय गंगावती वर्ष 2023 -24 की अपनी ई पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। मैं इस अवसर पर माननीय प्राचार्य महोदय, शिक्षकगण, छात्र -छात्राओं, अभिभावकों और संपादक मंडल को बधाई देता हूँ, जिनके परिश्रम एवं सहयोग से यह पत्रिका प्रकाशित हो पाई। निसंदेह ऐसे अवसर पर विद्यार्थियों की कर्मठता एवं प्रतिबद्धता एवं कुछ कर गुज़रने की भावना भी देखने को मिली है। उनकी रचनात्मक ऊर्जा में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रही, विद्यालय पत्रिका इस बात का प्रमाण है।

इस पत्रिका में एक ओर विद्यालय की विभिन्न प्रकार की क्रिया -कलापों जैसे आजादी का अमृत महोत्सव, एक भारत श्रेष्ठ भारत, योग एवं खेल, हिंदी पखवाड़ा, स्काउट एवं गाइड इत्यादि विभिन्न दिवसों की गतिविधियाँ प्रकाशित की गई है, वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों के द्वारा स्वरचित कविताएं, लघुकथा, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत और विविध प्रकार के लेख प्रकाशित हुए हैं जो विद्यार्थियों की प्रतिभा को दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका विद्यालय में संपन्न उच्च शैक्षणिकता के साथ नवाचारों को भी प्रदर्शित करेगी।

इस पत्रिका के माध्यम से मैं यह संदेश प्रेषित करना चाहता हूँ कि विद्यार्थियों को पठन पाठन के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से जुड़ना चाहिए क्योंकि इन गतिविधियों के माध्यम से आपके चिंतन, मनन, श्रवण, भाषण, रचनात्मक एवं सृजनात्मकता इत्यादि कौशलों का विकास होता है। आपके द्वारा लिखे गए लेख न केवल आपकी प्रतिभा का दिग्दर्शन दर्शन कराते हैं अपितु आपके बहुमुखी व्यक्तित्व को भी दिखाते हैं। अतः आप सभी को निरंतर सृजन कार्य में लगे रहना चाहिए।

अंत में मैं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले अधिकारी वर्ग, सभी अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं साथियों का पुनः आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने पत्रिका के प्रकाशन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया

श्री संदीप कुमार

प्राथमिक शिक्षक

मुख्य संपादक

TABLE OF CONTENT

SL.NO	CONTENT	PG.NO
01	HINDI ARTICLE	08
02	ENGLISH ARTICLE	21
03	KANNADA ARTICLE	35
04	SANSKRIT ARTICLE	40
05	DRAWING CORNER	50
06	PAINTING CORNER	56
07	CREATIVE CORNER	65
08	BUILDING INAUGRATION	70
09	CCA ACTIVITIES	77
10	ACHIEVEMENTS	97
11	GREEN SCHOOL UNDER PM SHRI	100

HINDI ARTICLE

केन्द्रीय विद्यालय,मेरा शान

‘ शिक्षा का अमृत धारा का उदय,

वो हिमालय है, हाँ ये केन्द्रीय विद्यालय,

मंदिर, मस्जिद इसके अन्दर गिरीजा है और गुरूद्वार है,

एक-एक बच्चा उन्हे, उनकी जान से प्यारा है,

बच्चों का बचपन कविता है, और उस कविता का,

लय है ये, हाँ ये केन्द्रीय विद्यालय है । ’

केन्द्रीय विद्यालय, ऐसा संगठन है जिसने इस देश को प्रतिभाशाली नागरिकों को प्रदान किया जैसे – कुछ महीने पहले हमारे देश चन्द्रयान-3 को लाँच किया, जो सफल हुआ । इस मिशन में शामिल हुए कुछ वैज्ञानिक और तंत्रगार है – श्री निलेश देसाई, डाँ शिवांगी मिश्रा, श्री अवनीशचंद्र पांडे, मिस.नीतु एन. आदि । हमारी इस केन्द्रीय विद्यालय संगठन की बडे परिवार की एक अंग है । मुझे गर्व है कि मैं भी इस परिवार की एक अभिभज्य भाग हूँ ।

मेरी अभि तक की ये छः साल जिन्हें मैं यहाँ बिताई हूँ, वो अनमोल होने के साथ अविस्मरणीय है । इस सफर के दौरान कई शिक्षक आये है, जो हमें हमारे उज्वल जीवन के लिए प्रकाश दिया है ।

1वीं कक्षा से 6वीं कक्षा तक के जो टीचर्स जिन्होंने हमें पढाया है, वे हिन्दी भाषा प्रदेश के है, जिनसे हमारी वार्तालाप की टेकनिक्स अच्छे हुए । इसे और बेहतर बनाने हेतु कई सारे कार्यक्रम आयोजित किए । जैसे : हिन्दी पकवाडा, हिन्दी , कन्नड के साथ संस्कृत में प्रार्थना-सभा आदी ।

पढाई के साथ-साथ निबंध लेखन, Poem recitation, Best out of waste, Drawing, Quizes आदि क्रियाकलाप को भी प्रमुखता दी जाती है ।यहाँ हमें पढाई के साथ उच्छ स्तरीय प्रतियोगिता का वातावरण मिलता है ।

यहाँ के पाठ्यक्रम सभी धर्मों और सच्चाई के लिए ईमानदार निष्ठा, प्रेम के संस्कार पैदा करने का प्रयास, एक उज्वल व्यक्तित्व का विकास करने के लिए, एक धर्म निरपेक्ष, देशभक्त नागरिक और एक बेहतर इनसान बनाना शामिल है ।

इस संगठन भाषों की महत्व को समझकर विद्यार्थियों के लिए इसके संबंधित गतिविधि आयोजित करता है, जो उनकी संवहन कौशल को बढावा देने के साथ-साथ उनकी आत्मविश्वास को भी मजबूत करता है , जैसे – हिन्दी पकवाडा, संस्कृत में प्रर्थाना सभा आदी आयोजन करता है ।

केन्द्रीय विद्यालय का आदर्श वाक्य है " ज्ञानार्थ प्रवेश, सेवावृत प्रकाशन'" । ऐसे विद्यालय को स्थापित करने के लिए हमें अहल्य चारीजी को नमन करना चाहिए ।

नाम: आयुषी वी
कक्षा : V

“सपना”

सपना वो नहीं जो हम सोते समय देखतेहै।इस विषय पे कलाम जी ने क्या खूब कहा है :

“सपना वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं,

सपना तो वह हैं जो हमें चैन से सोने न दे।“

अपने जीवन में एक सपना होने का यह मतलब है केआपके पास एक लक्ष्य है, जिसे पूरा करने के लिए आप को मेहनत करनी पड़ेगी।जीवन में एक लक्ष्य का होना ही सौभाग्य की बात होती है, क्यों कि हर किसी के पास अपना लक्ष्य नहीं होता।

बचपन में हम चाहते हैं के हम डॉक्टर बने, टीचर बने इंजी नियर या फिर कोई कलाकार बने, परंतु जैसे जैसे हम बड़े होते है हमारेआयु के साथह मारे सपने भी बदल जातेहै।पर एक आयु तक आने पर हमे हमारे लक्ष्य पता होना चाहिए, ताकि हमे सारी कठिनाइयों के सामने भी केवल हमारा सपना दिखे।इसी से द्रोणाचार्य शिष्य अर्जुन की एक कहानी याद*आती है ;*

“द्रोणाचार्य ने एक लकड़ी की चिड़िया को एक पेड़ की डाली पर रख दिया।सबसे पहले द्रोणाचार्य ने जेष्ठ भाई युधिष्ठिर से प्रश्न किया - युधिष्ठिर तुम्हें पेड़ पर क्या दिखाई दे रहा है? युधिष्ठिर ने उत्तर दिया - गुरु जी मुझे पेड़ पर वह लकड़ी की चिड़िया, टहनियां, पत्ते और कुछ अन्य चिड़िया दिख रहे हैं।तभी द्रोणाचार्य जी ने युधिष्ठिर को निशाना लगाने के लिए मना कर दिया। किसी को फिर नजर आता तो किसी को डाली नजर आती या फिर किसी को पास में दूसरा पेड़।जब द्रोणाचार्य मैं अर्जुन से प्रश्न किया - अर्जुन तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है? तभी अर्जुन ने उत्तर दिया गुरु जी मुझे तो बस चिड़िया की आंख दिखाई दे रही है, सिर्फ आंख। गुरुजी खुश हुए और उन्होंने अर्जुन को तीर चलाने के लिए कहा। अर्जन ने धनष से निशाना साधा और तीर छोड

दिया। तीर सीधा जा कर उस लकड़ी की चिड़िया की आंख में जाकर लगी।

“इस कहानी से हमें यह प्रेरणा मिलती हैं के हमे हमारे लक्ष्य के प्रति एकाग्रता होनी चाहिए। हमने जितने भी महान व्यक्ति देखे है सबने अपने जीवन में अपने लक्ष्य को तय किया और उसके लिए कड़ी मेहनत की हैं।

एक विद्यार्थी अगर अपना अपना निशित करले तो वह उसके जीवन में एक सफ़लता के समान है। तब वह अपने पूरे मन से अभ्यास करेगा। विद्यार्थी जीवन ही हमारे जीवन का वहकाल हैं को हमारे सपने को हकीकत में बदलने की काबि लियत रखताहै।

क्योंकि अभी से अपने सपने के मेहनत नहीं की तो सपना सपना बनक रही रहजा एगा।

“सपनो की हारत बहोती है जब मान लिया जाता है,

और जीत तब होती है जब ठान लिया जाता है।“

नाम : अंजुम

कक्षा : IX

पानी

पानी सब जीव जंतुओं के लिए आवश्यक होता है।

पानी को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। नल को खुला नहीं

छोडना चाहिए। हमें नदी,नालों और तालाबों में कचरा

नही फैंकना चाहिए। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97% पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है। पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3% है। इसमें भी 2% पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1% पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है।हमारे धरती में 71%पानी है।जल या पानी एक आम रासायनिक पदार्थ है जिसका अणु दो हाइड्रोजन परमाणु और एक ऑक्सीजन परमाणु से बना है - H2O।यह सारे प्राणियों के जीवन का आधार है। आमतौर पर जल शब्द का प्रयोग द्रव अवस्था के लिए उपयोग में लाया जाता है पर यह ठोस अवस्था (बर्फ) और गैसीय अवस्था (भाप या जल वाष्प) में भी पाया जाता है।

जल वह तरल पदार्थ है जो पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाता है। पानी हमारे ग्रह को आकार देता है - और हमारे जीवन के लगभग हर पहलू को।भारत के सभी लोग मार्च बाईस तारीख को

विश्व जल दिवस मनाते है। धन्यवाद।

नाम : सुमेधा

कक्षा : V

सफलता

“असफलता का मौसम सफलता का बीज बोने के लिए सबसे अच्छा समय है।”

सफलता जीवन का मूल है। हम सभी जीवन में आगे बढ़ना चाहते है। एक निर्धन व्यक्ति अमीर बनाना चाहता है। एक बीमार व्यक्ति स्वस्थ होना चाहता है। एक बेरोजगार को नौकरी चाहिए। सभी किसी न किसी स्तर पर सफलता प्राप्त करना चाहते है। जीवन में आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता हमारी सफलता का मानक है। हमें केवल पैसे या विलासिता को जीवन का लक्ष्य नहीं बनाना चाहिए।

सफलता की परिभाषा

सभी के लिए सफलता के अपने मायने होते है। जीवन में विकास करना ही सफलता है। आप जिस स्तर पर है, उससे आगे बढ़ना ही सफलता है।मगर सच्ची सफलता वही है जो हमें सुख, प्रसन्नता और शांति की तरफ लेकर जाये। अगर आगे बढ़ने पर हमें जीवन में सुख का अनुभव होता है, तो वह सफलता है।

सफलता के सूत्र और महत्व

सफलता प्राप्त करने के अनेक सूत्र है। आप जिस भी स्तर पर है, उस स्तर के अनुसार आप सफलता का सूत्र गढ़ सकते है। हमें शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाना होगा। जीवन में आने वाली विपत्तियों के लिए तैयार रहना होगा। सफलता प्राप्त करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सफलता हमारे जीवन को नई दिशा देती है। सफलता हमें स्वतंत्र बनाती है।

निष्कर्ष

हम सभी को जीवन में सफलता को अपना लक्ष्य बनाना चाहिए। सफलता हमें संपन्न, प्रसन्न और नई ऊर्जा प्रदान करता है। हम एक बहते हुए नदी की तरह बन जाते है जो सदा स्वतंत्र रूप से बहती रहती है। संघर्षहमारे जीवन की सफलता को सार्थक बनाते है।

नाम : मोहम्मद जुल्खर नेन

कक्षा : IX

खेल

हमारे देश में कई सारे खेल खेलें जाते हैं।जैसे कि क्रिकेट, फुटबॉल हॉकी,वॉलीबॉल और भी बहुत सारे। उनमें से अधिक देखने वाला खेल क्रिकेट है। क्रिकेट की हर टीम

में ११ सदस्य होते हैं। क्रिकेट एक बहुत रोमांचक खेल है। बहुत सारे देशों की अपनी क्रिकेट की टीम है ।

हॉकी हमारे देश का राष्ट्रीय खेल है। हॉकी में भी ११ सदस्य होते हैं।फुटबॉल के खेल में हमें अपने

पैरों से बॉल को लात मारकर बॉल

को गोल तक पहुंचाना होता है।

वॉलीबॉल में हमें हमारे हाथों से बॉल को मारना होता है। जो भी बॉल को नहीं मार पाता हैं, वो खेल हार जाता है। ऐसे ही हमारे देश में कई सारे खेल खेलें जाते हैं

जो बहुत रोमांचक होते हैं

धन्यवाद

नाम : अमरेश्वरी

कक्षा : V

मेरा विद्यालय, मेरा अनुभव

' भारत का स्वर्णिम गौरव

केंद्रीय विद्यालय लाएगा

तक्षशिला, नलंदा का,

इतिहास लौटकर आएगा । '

केन्द्रीय विद्यालय, ऐसा संगठन है जिसने इस देश को प्रतिभाशाली नागरिकों को प्रदान किया और करता आ रहा है । मुझे इस बात का गर्व है कि मैं भी इस संगठन की अभिभाज्य अंग हूँ ।

ऐसे अभिभावक जो अपने बच्चों को सुनिश्चित शिक्षा, उच्च स्तरीय बॉधन, Excellent competition atomosphere प्रदान करना चाहते है । उनकी अभिलाषा साकार करने में इस तरह की संगठन महत्तर भूमिका निभाते है ।

ऐसे मनोदशा रखनेवाले मेरे अभिभावक सन 17 सितंबर 2018 को मेरी नगर गंगावती में उसी वर्ष स्थापित केंन्द्रीय विदयालय में मुझे 5वीं कक्षा में दाखिला किया । मैं अपनी विद्यालय की पहले बैच की विद्यार्थिनी हूँ । हमारे बैच को हम सब ने Experiment बैच कहकर संबोंधित करते थे । वह Experiment होने के साथ स्वर्णिम भी था ।

केन्द्रीय विद्यालय विविधता में एकता दर्शाता है । मैंने यहाँ छः साल बिताई हूँ । इस सफर में मैंने बहुत सारे शिक्षकों से मिली हूँ । जिन्होंने अपने ही शैली में मेरी भविष्य को एक आकार प्रदान किया । उनमें ज्यादा तर शिक्षक कर्नाटक के बाहर के थे, फिर भी उन्होंने अपनापनवाला वातावरण निर्माण किया था ।

यहाँ के Teachers मित्रतापूर्वक व्यवहारवाले, प्रतिभाशाली Multi –talented, मनपारखी होते हैं । साथ ही सहपठ्य कार्यकलाप सिखानेवाले शिक्षक भी अपनी 'कला' में मशुर होते है ।

यह संगठन उच्च गुणवत्तावाले शैक्षिक प्रयासों के माध्यम से उत्कृष्ठता प्राप्त करने के लिए मूल्य प्रदान करने और अपनी छात्रों की प्रतिभा, उत्साह और रचनात्मकता का पॉषण करने में विश्वास रखता है ।

इस संगठन भाषों की महत्व को समझकर विद्यार्थियों के लिए इसके संबंधित गतिविधि आयॉजित करता है, जो उनकी संवहन कौशल को बढावा देने के साथ-साथ उनकी आत्मविश्वास को भी मजबूत करता है , जैसे – हिन्दी पकवाडा, संस्कृत में प्रर्थाना सभा आदी आयॉजन करता है ।

यहाँ के पाठ्यक्रम सभी धर्मों और सच्चाई के लिए ईमानदार निष्ठा, प्रेम के संस्कार पैदा करने का प्रयास, एक उज्वल व्यक्तित्व का विकास करने के लिए, एक धर्म निरपेक्ष, देशभक्त नागरिक और एक बेहतर इनसान बनाना शामिल है ।

यहाँ मैंने शिक्षकों से माता-पिता के स्नेह को पाया । इस विद्यालय में आकर मेरे व्यक्तित्व का विकास हुआ । एक भवन को बहुत साल टिकने के लिए उसकी बुनियाद बहुत मजबूत हॉनी चाहिए, उसी तरह हमारी कैरियर जीवन को इतनी मजबूत करने में मेरी विद्यालय प्रमुख पात्र निभाया है । इसके लिए मैं मेरी परिवार जैसी संगठन कॉ आभार व्यक्त करना चाहती हूँ ।

नाम : चिन्मयी वी

कक्षा : X

माता-पिता

जिंदगी में दो लोगों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

पिता

जिससे तुम्हारी जीत के लिए सब कुछ हारा है..

मां

जिसको तुमने हर दुख में पुकारा है।

माता-पिता भगवान का दिया हुआ अनमोल उपहार है जिंक जैसे पूरा दुनिया में कोई भी नहीं है माता-पिता ही है जो कभी अपनी संतान का बुरा नहीं चाहते हैं और हमेशा उनकी प्रगति के लिए प्रार्थना करते हैं माता-पिता से ज्यादा सच्चा रिश्ता कोई नहीं है और वही है जो अपने की खुशियों के लिए सब कुछ त्याग देते हैं माता-पिता पृथ्वी पर भगवान का रूप होते हैं जो अपने बच्चों पर आने वाली सभी मुसीबत को खुद पर ले लेते हैं और हर बुरी नजर से उनकी रक्षा करते हैं माता-पिता की जान उनके बच्चे भी में बसती है माता-पिता ही बच्चों में अच्छे संस्कार डालते हैं ।और बच्चों के प्रथम गुरु होते हैं, जो उन्हें चलना सीखते हैं बोलना सीखते हैं और अच्छे और बुरे का फर्क बताते हैं ,वह यहां कब सब कुछ सीखते हैं जो एक अच्छा जीवन जीने के लिए जरूरी हो।

नाम – अफीफा
कक्षा- IX

\

बैडमिंटन

बैडमिंटन एक रैकेर खेल है, जो नेट पर शटलकॉक को हिट करने के लिए रैकेट का उपयोग करके खेला जाता है हालांकि इसे बड़ी टीमों के साथ खेला जा सकता है,खेल के सबसे सामान्य रूप एकाल प्रति है।

बैडमिंटन अक्सर एक समुद्र तट पर एक आकस्मिक आउटडोर गतिविधियों के रूप में खेले जाते हैं।

शटल क को राकेट से मारकर और उसे दूसरी टीम के कोर्ट के आधे हिस्से में गिर कर अंख लेने पड़ते हैं।

प्रत्येक पक्ष शटल कॉक के नेट के ऊपर से गुजरने से पहले केवल एक बार ही मार सकता है शटल का के जमीन से टकराने के बाद मारना नहीं है।

कुछ बैडमिंटन में जीते हुए पदक पीवी सिंधु पांच स्वर्ण पदक शांति या नेहवाल एक चांदी एक कांच पदक, प्रकाश पदकोड़ी एक कंस्थ पदक जीत गया है। लक्ष्य सेन– एक चांदी पदक,

चिराग शेट्टी – एक कंस्थ पदक

एच. एस , प्रानी – एक कंस्थ पदक

नाम:– के. प्रभांजन

कक्षा:– VII

ENGLISH ARTICLE

A MOTHER'S LOVE.

There is nothing that can come close to the love that a mother feels for her children. Every mother makes sure that their children are safe and happy. She is the only person who has no demands except our best future.

MOTHER AS A CARETAKER.

Parents protect their child from any difficult situation. A Mother always wants best for her child and never compromise on anything related to her child. She works as a super woman. I am proud of my mother who takes care all of my things.

MOTHER AS A BEST FRIEND.

A Mother never feels tired while playing with her child and always fulfils all his demands without thinking of her. A Mother is like an angel for her child.

MOTHER AS A SPECIAL PERSON OF OUR LIFE.

All mothers are pure by heart and want all the best things in their child's life whether it is any toy, clothing, education and the values. Mothers love is a blessing by god, mothers love is everything.

MOTHER AS A MENTOR.

Without any expectations a mother keeps on working for the betterment of her child. Mother gives us that power with which we become able to accept them and get success.

We as a child always take our mother for granted but without her life becomes worthless. Mother is a precious gift by god which we need to keep with love and care. The first teacher is a mother for any child and if he keeps life's lessons under her guidance nothing can stop him in achieving the heights of success.

Name: A Jeevan

Class : V

The New Session

Friends this is the best occassion
To pay your attention
Because this is a new session
How was the examination ?

I am worry about dictation
All my friends are passed in distinction
How is your preparation ?
For this new session.

Keep some expectation
Be careful in pronounciation
While doing conversation
Youngers need your motivation.

There are many question
Find your own solution
Don’t make your mind pollution
Studying is your vaccination

Follow the instruction
Spread all this information
This is my creation and presentation
We love our Nation

Name: Shreegowri. S

Class: V

Introduction

Chandrayaan 3 is a space mission of India to conduct scientific studies analyze lunar soil and gather important data for research.

Body of the essay

- Chandrayaan 3 is India's Third Moon Mission
- It was conducted by ISRO
- It was sent into moon on 14 July 2023
- It was launched from Satish Dhavan Space Centre at Shriharikota in Andhra Pradesh
- Chandrayaan Means moon vehicle in Sanskrit
- It consists of a lander and a rover
- It softly landed on the moon on 6:04 pm on 23rd August
- India beacme the fourth Country to land on moon the other three countries are :
- 1. USA
- 2. Russia
- 3. China
- India became the first country to land on the south pole of the moon
- According to reports the cost OF CHANDRAYAAN 3 is around $77 million

CONCLUSION :

CHANDRAYAAN 3 symbolises Indian ambition to become leading spacepower and also its determination to uncover the moons mysteries.

NAME-VEDANT NARENDRA JOSHI

CLASS-VII

My followers

I have a follower.

She is as pet as a flower and,

As Mary's lamb.

She follows mw wherever I go,

She follows me even to school.

She jumps with me into the swimming pool.

She does whatever I do.

But others don't notice her.

Only I do.

She sometimes eat too much and grows bigger,

She sometimes eat too little and becomes thinner.

My follower sometimes becomes my guide

And I must follow her.

My follower will stay with me till my end,

With so many clues I think you have guessed.

My follower is none other than my shadow.

NAME: Tanushree

CLASS: X

Our School

Our school, our school,

So beautiful place where all

Children read and play.

Our school, our school,

So beautiful place where all

Teachers love and teach us

And all of us love them equally.

Our school, our school,

So beautiful place where all

Children read and learn and play

Like brothers and sisters in a family.

NAME : Priyanka B K

CLASS : X

Hurry up Hurry up

Hurry up – hurry up

‘ding dong,ding dong’ bell is ringing

Time is 7’oclock,

Run to school

Hurry up hurry up

Assembly is going to start,

Hurry up hurry up

Do your school work.

Hurry up hurry up

Friends are calling for games.

Hurry up hurry up

Parents are waiting

To come back home.

Name : Hitesh Prajapati

Class : VI

NEW HOPE OF LIFE

Sun rays fall on the land,

Dewdrops at the tip of leaves glitter,

Small flowers are smiling beautifully,

Cock is crowing loudly.

The snow has gone black like a defeated army,

The sound of small birds,

The fragrance of flowers,

Give us a new hope of life.

NAME : Sinchana R.S

CLASS : X

THE LIFE

The life is to smile,

The life is to laugh.

The life is to express,

The life is to dream.

The life is to feel,

The life is to sing.

The life is to dance,

The life is to enjoy.

The life is everything and for everyone.

It brings happy as well as sad moments,

Life is to face troubles with courage,

And to search the chance to be happy,

Even in sad moments.

NAME : Shreelekha Polkal

CLASS : X

GURUDEV RABINDRA NATH TAGORE

"I slept and dreamt that life was the joy,

I woke and saw that life was service.

I acted and behold, service was the joy."

The talented writer who made India proud by becoming the first Indian to win the Nobel prize in literature and was also the first non- European to win the prestigious award. Gurudev Rabindra Nath Tagore was born on 7th May 1861 into a Bengali family in Kolkata; the writer dazzled the world with his brilliant writings and spiritual insights. He composed India's national anthem and is well loved even after 150 years of his birth. Tagore was a towering figure of Indian literature, a great poet, artist, novelist, musician, playwright, educator and a social reformer.

Tagore came to the attention of the world almost a hundred years ago when he reached London with Gitanjali, an English translation of some of his poems originally written in Bengali. Moved by Tagore's poetry, Irish poet William Buttler Yeats penned down a preface to Gitanjali. Talking about Gitanjali Yeats wrote in preface" these prose translations from Rabindra Nath Tagore have stirred my blood as nothing has for years." Yeats enthusiasm was echoed by the Nobel committee who pretended Tagore with the Nobel prize in literature for 'his fresh and beautiful verse.'

Some of the notable volumes of his poetry are Manasai,sonay Tari, Gitanjali, Gitimalya and Balka. His major plays are Raja, Dakghar and Muktadhara. He wrote over 2000 songs belonging to a genre now well known as Rabindra Geet. A Visual artist of the first order, Tagore composed numerous drawings and paintings. Proclaimed as the greatest poet India has ever produced, Tagore was perhaps the only literary figure who penned anthems of two countries Jan Gan Man for India and Amar swapnar Bangla for Bangaldesh.

In a fitting tribute to this great poet and patriot many institutes across India and the world commemorated the 150th birth anniversary of Rabindra Nath Tagore in May 2011.

NAME : Sai Sneha

CLASS : X

THE TRUE FRIENDSHIP

They are big, they are small

Some are bushy and some are tall,

They give us fruit, flowers and shade,

They absorb polluted gases, which are man made

The cool fresh air and the rains

Are the gifts given by them forever gain?

The food we eat and the clothes we wear

They give it all whenever we require,

But alas! We don’t feel their importance

And fail to realise their glance

And chop them down hence

Oh! True friend! Forgive us for sins

We children pledge a new beginning.

NAME : Bhuvan

CLASS : X

KANNADA ARTICLE

ಸಮಯ ಪಾಲನೆ, ಗುರಿಯ ಸಾಧನೆ

ಸಮಯವನ್ನು ಗೌರವಿಸುವವನನ್ನು ಸಮಾಜ ಗೌರವಿಸುತ್ತದೆ ಎಂಬುದು ಜನಜನಿತವಾದ ಮಾತಾಗಿದೆ. ಸಮಯ ಎಂಬುದು ಒಂದು ಅತ್ಯಮೂಲ್ಯವಾದ ಸಂಪತ್ತಾಗಿದೆ. ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸಮನಾದ ಸಮಯ ಪ್ರತಿದಿನ ದೊರೆಯುತ್ತದೆ ಆದರೆ ಕೆಲವರು ಮಾತ್ರ ದೊರೆತ ಸಮಯವನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಿಕೊಂಡು ಉಪಯೋಗಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ ಮತ್ತು ಉಳಿದವರು ತಮಗೆ ಸಮಯವೇ ಸಿಗಲಿಲ್ಲ ಎಂದು ದೂರುತ್ತಾರೆ.

ಸಮಯವು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಕಳೆದು ಹೋಗುತ್ತದೆ. ಅದು ಎಂದಿಗೂ ನಿಲ್ಲುವುದಿಲ್ಲ. ಆದರೆ ಕೆಲವರಿಗೆ ಲಾಭ ತಂದು ಕೊಟ್ಟರೆ ಇನ್ನೂ ಕೆಲವರಿಗೆ ಅದು ಪಶ್ಚಾತಾಪವನ್ನು ಉಂಟು ಮಾಡುತ್ತದೆ ಏಕೆಂದರೆ ಅವರು ಸಮಯವನ್ನು ಸರಿಯಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸಿ ಕೊಂಡಿರುವುದಿಲ್ಲ. ಸಮಯದ ಸದುಪಯೋಗದ ಬಗ್ಗೆ ಅನೇಕ ಮಹನೀಯರು ತಮ್ಮದೆ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವಿವರಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಸಮಯವು ನಿರಂತರವಾಗಿ ಕಳೆದುಹೋಗುವ ಸಂಪನ್ಮೂಲವಾಗಿದೆ ಹಾಗಾಗಿ, ಈ ಸಂಪನ್ಮೂಲವನ್ನು ಸರಿಯಾಗಿ, ಪೋಲಾಗದಂತೆ ಉಪಯೋಗಿಸಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಮಯದ ಸರಿಯಾದ ಬಳಕೆಗಾಗಿ ನಾವು ಪ್ರತಿದಿನದ, ವಾರದ ಹಾಗೂ ವರ್ಷದ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಅದರಂತೆ ನಡೆದರೆ ನಮ್ಮ ಎಲ್ಲಾ ಕಾರ್ಯಗಳು ಪೂರ್ಣಗೊಂಡು ನಮಗೆ ಇನ್ನೂ ಸಮಯ ಉಳಿಯುತ್ತದೆ. ಆದರೆ ನಾವು ಹಾಗೇ ಮಾಡದೆ, ವೃಥಾ ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿ ನಮಗೆ ಸಮಯವೇ ಸಿಗಲಿಲ್ಲ ಎಂದು ಗೋಳಾಡುತ್ತೇವೆ. ಕೆಲವರು ಒಳ್ಳೆಯ ಅಥವಾ ಅದೃಷ್ಟದ ಸಮಯಕ್ಕಾಗಿ ಕಾಯುತ್ತಾರೆ. ಅದು ಹಾಗಲ್ಲ ಎಲ್ಲ ಸಮಯವು ನಮಗೆ ಅದೃಷ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಡುತ್ತದೆ, ಅದನ್ನು ನಾವು ಸರಿಯಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸಿಕೊಂಡಾಗ ಮಾತ್ರ.

ಹೆಸರು : ಆದಿತ್ಯ ನಾರಾಯಣ ಭಟ

ತರಗತಿ : VI

ನವ ಬೃಂದಾವನ

ಚಿಂತಾಮಣಿ ಆಶ್ರಯದಿಂದ ಅವನತಿ ದೂರದಲ್ಲಿ ಸಿಂಚಲ ಕೋಟೆಯ ಎದುರಿನಲ್ಲಿ ನವ ಬೃಂದಾವನ ನಡುಗಡ್ಡೆ ಇದೆ. ತೆಪ್ಪೆ ಅಥವಾ ಬೋಟ್ ಮೂಲಕ ಇಲ್ಲಿಗೆ ತೆರಳಬೇಕು. ಇದಕ್ಕೆ ಕಾಲಾದ್ರಿ ಪರ್ವತವೆಂಬ ಹೆಸರು. ಇಲ್ಲಿ ಒಂಬತ್ತು ಯತಿವರ್ಯರ ಸಮಾಧಿಗಳಿವೆ ಹಾಗಾಗಿ ಇದಕ್ಕೆ ನವ ಬೃಂದಾವನ ಎಂಬ ಹೆಸರು ಬಂದಿದೆ. ಪದ್ಮನಾಭ ತೀರ್ಥರು,ಕವಿಂದ್ರತೀರ್ಥರು, ವಾದೀಶ ತೀರ್ಥರು, ಗೋವಿಂದ ತೀರ್ಥರು, ವ್ಯಾಸರಾಯರು, ರಘುವರೇಯರು, ಶ್ರೀನಿವಾಸ ತೀರ್ಥರು, ರಾಮತೀರ್ಥರು,ಸುಧೀಂದ್ರ ತೀರ್ಥರು ಪ್ರತಿವರ್ಷ ಯತಿ ಗಳ ಆರಾಧನೆ ಜರುಗುತ್ತದೆ. ಆಂಧ್ರಪ್ರದೇಶ ತಮಿಳುನಾಡುಗಳಿಂದಲೂ ಅನೇಕ ಭಕ್ತಾದಿಗಳು ಇಲ್ಲಿಗೆ ನಿರಂತರ ಭೇಟಿ ನೀಡುತ್ತಾರೆ.

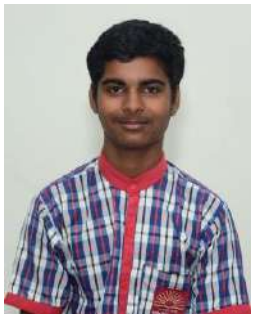

ಹೆಸರು : ಕೇಶವ್
ತರಗತಿ : IX

ಯುಗಾದಿ

ಆನಂದದಿ ಯುಗಾದಿ ಬಂದಿತು ನೋಡು

ಯುಗಾದಿ ಹಬ್ಬ ಅದು ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಆನಂದದ ಹಬ್ಬ

ಅಪ್ಪ ಕೊಡಿಸಿದ ಹೊಸ ಹೊಸ ಉಡುಗೆ

ಅಮ್ಮ ಮಾಡಿದಳು ಬಗೆ ಬಗೆ ಅಡುಗೆ

ಅಜ್ಜ ಹೇಳಿದ ತೋರಣ ಕಟ್ಟು

ಅಜ್ಜಿ ಮಾಡಿದರು ರುಚಿ ರುಚಿ ಒಬ್ಬಟ್ಟು

ಹೊಸ ವರುಷಕೆ ಕೋರೋಣ ಸ್ವಾಗತ

ಕ್ರೋದಿನಾಮಕೆ ಸುಸ್ವಾಗತ

ತಿಂದೆವು ನಾವು ಬೇವು ಬೆಲ್ಲ

ಹಂಚಿದೆ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಈ ಕವನದಿ ಸಿಹಿ ಬೆಲ್ಲ.

ಹೆಸರು : **ಶ್ರೀ ಗೌರಿ .ಎಸ್**

ತರಗತಿ : V

ಮೇಘಧಾರೆ

ಬೇಸಿಗೆ ಬಂತೆಂದರೆ ನಿನದೇ ನೆನಪು

ನೀನಾದೆ ಎಲ್ಲರ ಜೀವನದ ಕಂಪು

ಬೇಗನೆ ಧರೆಗಿಳಿದು ಮಾಡು ತಂಪು

ಎಲ್ಲೆಡೆ ಹರಡು ಹಸಿರಿನ ಒನಪು

ಮಳೆ

ಹನಿ ಹನಿ ನೀರಿನ ಹನಿ

ಇಳೆಯ ಮೇಲಿನ ಜೀವಿಗಳ ದನಿ

ನೀ ಮುನಿದರೆ ಎಲ್ಲರ ಜೀವಹಾನಿ

ನೀನೊಲಿದರೆ ಅದುವೇ ಜೀವನದಿ

ಹೆಸರು : ಹೆಚ್. ಜಿ. ರೀಮಾ

ತರಗತಿ : VIII

SANSKRIT ARTICLE

संस्कृतम्, सर्वत्र

गले गले संस्कृतम्,गृहे गृहे संस्कृतम्,

ग्रामे ग्रामे संस्कृतम् , मण्डले मण्डले संस्कृतम्, राज्ये राज्ये संस्कृतम्।।

नगरे नगरे संस्कृतम्, मन्दिरे मन्दिरे संस्कृतम्, हृदये हृदये संस्कृतम्, वचने वचने संस्कृतम्, मनसि मनसि संस्कृतम्,

मार्गे मार्गे संस्कृतम्, आपणे आपणे संस्कृतम्, देशे देशे संस्कृतम्, याने याने संस्कृतम्, विमानपत्तने संस्कृतम्, जनाभिमते संस्कृतम्।।

मम विद्यालये संस्कृतम्, भवद्विद्यालये संस्कृतम्, बालभवने संस्कृतम्, महाविद्यालये संस्कृतम् विश्वविद्यालये संस्कृतम् , सर्वत्र च समूहे संस्कृतम्।।

नाम : अमृता एस् हिरेमठ
कक्षा : V

भारतस्य राष्ट्रीय संसद्भवनम्

संसद्भवनम् लोकतन्त्रस्य अभिन्नाङ्गमस्ति।
संसदः सम्बन्धिता कार्यकलापिका , शासन बद्धा विधेयिका, सपक्ष-विपक्षयोः वाग्वादाः , संविधाने सूचित - नियमानुसारं सर्वं अत्रैव समग्रं भारतदेशस्य प्रशासनम् च भवति। लोकतन्त्रव्यवस्थायाः वर्गीकरणम् त्रिषु अङ्गेषु भवति। व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका च। एतेषु व्यवस्थापिकायाः अतीव महत्वं विद्यते।

यतोहि, कार्यपालिकायाः, न्यायपालिकायाः च नियमनदायित्वं व्यवस्थापिकाप्रणाल्याः पार्श्वे भवति। वयं संविधाने भारतीय संस्कृतेः विचारं, विदेशीयविचारमपि सन्तुलनं कृत्वा, अनम्य,नम्य, नम्यानम्योः तत्वं च योजयित्वा भारतीय संविधानम् कृतवन्तः।

वि उपसर्ग पूर्वक **धा** धातोः ल्युट् प्रत्ययः, व्योरनकौ इति अनादेशः, सम्यक् विधाय विशिष्टज्ञानसम्पन्नैः विपश्चिद्भिः कृतोऽयं संविधानम् लिखित रूपेण जनवरी मासस्य षड्विंशति दिनाङ्के, पञ्चाशदुत्तर नवदशशततमे वर्षे सर्वकारैः सार्वत्रिक रूपेण अङ्गीकृतमस्ति।

संसदः त्रिषु अङ्गेषु मुख्याधारत्वेन गण्यते। शासकाङ्गस्य सर्वे कार्यकलापाः लोकसभायां चर्चापुरस्सरं अनुमोद्यते अथवा नानुमोद्यते। एवमेव राज्यसभायामपि क्रियते। संसद्भवने लोकसभायाः अपरं नाम निम्नगृम् एवमेव राज्यसभायाः अन्यत् नाम उपरिष्टगृहमिति च कथयन्ति। सभाद्वयेऽपि सभां चालनाय सभापतिः भवति। लोकसभायाः संसदान् मतदातारः चिन्वन्ति। राज्यसभा सदस्यान् नामनिर्देशन पूर्वकं चिन्वन्ति।

कार्यङ्गस्य अध्यक्षः राष्ट्रपतिः भवति। राष्ट्रपतिं राज्यस्तरीय MLA, MLC, केन्द्रस्तरीय MP , राज्यसभा नेतारः च मतदानपूर्वकं चिन्वन्ति। सः राष्ट्रपतिः राज्य-लोकसभयोः विधेयकानां (Bill) कृते हस्ताङ्कनं करोति। तस्य हस्ताङ्कनानन्तरं विधिः स्थिरः भवति।

न्यायाङ्गः उच्चस्तरीयं कार्यम् करोति तथैव शासकाङ्ग – कार्याङ्गयोः न्यूनतां, दूरीकृत्य उत्तमकार्याणि श्लाघयित्वा च उपाकरोति।

नाम : निहारिका

कक्षा : VIII

केन्द्रीय विद्यालयः गङ्गावती कोप्पल मण्डलम् कर्णाटकम्
इ पुस्तकम् संस्कृत विभागः
संस्कृते षण्मुखानि

रामायणम्

विश्वे एव साहित्ये रामायणम् **आदिकाव्यम्** इति प्रसिद्धम्। महामुनिः वाल्मीकिः रामायणम् महाकाव्यम् आदिकाव्यम् अलिखत्। सप्तसु काण्डेषु विभक्तेऽस्मिन् काव्ये, श्रीरामस्य चरितमेव मुख्यतया वर्णितमस्ति। भारतीय संस्कृतौ संस्कृतसाहित्येऽपि च अस्य काव्यस्य महत्त्वम् स्थानमस्ति। अस्य काव्यस्य अनुवादः सर्वासु भाषासु इङ्ग्लिष् भाषायामपि लभ्यते। संस्कृते गद्य-पद्य-नाटकादिषु रामायणम् आधृत्य बहुभिः विद्वद्भिः बहूनि पुस्तकानि लिखितानि सन्ति।

महाभारतम्

कृष्णद्वैपायनेन वेदव्यासमहर्षिणा विरचितेऽस्मिन् काव्ये अष्टादश पर्वाणि सन्ति। अस्मिन् काव्ये पाण्डव – कौरवाणां श्रीकृष्णस्य च जीवनम् वर्णितमस्ति। श्रीकृष्णस्य जीवनमिति भागस्य हरिवंशमित्यपि वदन्ति। अत्र एकलक्षाधिक श्लोकाः सन्तीति कारणात् महाभारतम् शतसाहस्रीमित्यपि आह्वयन्ति। महाभारते प्रधान - तथैव उपाख्यानानि, गीतोपदेशादि उपदेशाः अपि दृश्यन्ते।

धर्मशास्त्रम्

धर्मशास्त्रम् भारतीयशास्त्रेष्वन्यतमम्। भारतीय संस्कृतौ,अस्य शास्त्रस्य बहु प्रामुख्यमस्ति। धारणात् धर्मः इति व्युत्पत्त्या शास्त्रेषु विहितनियमानाम् पालनम्। समाजस्य कृते कल्याणकारिणी संस्कृतिः अत्रैव मानवानां कृते उपकारं करोति।

साहित्यम्

शब्दार्थयोः सहभाव एव साहित्यम्। शब्दार्थयोः चमत्कारात् अलङ्क्रियते काव्यमिति कारणात् अस्य अलङ्कार शास्त्रमिति सुप्रसिद्धम्। अत्र नव रसाः सन्ति।

वेदाः वेदाङ्गानि च।

ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः, अथर्ववेदः चेति चत्वारः वेदाः भवन्ति। वेदार्थाभ्युपगमनाय शिक्षा, व्याकरणं, छन्दः, निरुक्तं, ज्यौतिषम्, कल्पः इति षट् वेदाङ्गानि प्रभूतानि। वेदाः उपनिषदः वेदाङ्गानि च अपौरुषेयाः इति मान्यन्ते। वेदेषु न केवलं दार्शनिक विषयाः, अपि तु कलाः, सामाजिक – सांस्कृतिक – राजनैतिकादि विषयाः निरूपिताः सन्ति।

ज्योतिश्शास्त्रम्

ज्योतींषि, ग्रहनक्षत्रादि आकाशपिण्डानधिकृतं शास्त्रम्, तैः पञ्चभौतिककाये सम्भाव्यमान व्यत्यासमपि यन्निरूपयति, तज्ज्यौतिषमिति। शास्त्रम् एतत् वेदाः इव बहु प्राचीनम् अस्ति। आर्यभटः, वराहमिहिरः, ब्रह्मगुप्तः, भास्कराचार्य, च वैज्ञानिक रीत्या आविष्कारं चक्रुः। एतत् भूत भविष्यत् वर्तमान त्रिकालदर्शी भवति।

नाम : अर्चना आर्

कक्षा : IX

संस्कृते पदनिर्माणस्य सोपानानि

सोपानम् 1 – सप्ताहे कालपरिचयः

दिनसूचकम्	**दिनानि**	**क्रियापदम्**
प्रपरह्यः	रविवासरः	आसीत्
परह्यः	सोमवासरः	आसीत्
ह्यः	मङ्गल वासरः	आसीत्
अद्य	**बुधवासरः**	**अस्ति**
श्वः	बृहस्पति वासरः	भविष्यति
परश्वः	भार्गववासरः	भविष्यति
प्रपरश्वः	शनिवासरः	भविष्यति

सोपानम् 2 – पदविस्तारः

1 अहिः = सर्पः

2 अहिरिपुः = गरुडः

3 अहिरिपुपतिः = विष्णुः

4 अहिरिपुपतिकान्ता = लक्ष्मीः

5 अहिरिपुपतिकान्तातातः = सागरः

6 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धः= रामः

7 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धकान्ता=सीता

8 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धकान्ताहरः= रावणः

9 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धकान्ताहरतनयः = मेघनादः

10 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धकान्ताहरतनयनिहन्ता = लक्ष्मणः

11 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धकान्ताहरतनयनिहन्तृप्राणदाता = हनूमान्

12 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धकान्ताहरतनयनिहन्तृप्राणदातृध्वजः = अर्जुनः

13 अहिरिपुपतिकान्तातातसम्बद्धकान्ताहरतनयनिहन्तृप्राणदातृध्वजसखः = श्रीकृष्णः

एव दीर्घसमस्तपदरचनाभिः संस्कृते अर्थानुसारं वाक्यं कर्तुं शक्यते।

नाम : श्रीनिवास पूजारि

कक्षा : IX

भारतमाता बुधजनगीता पद्यम्

रागः- मालकंसः	आश्रयः भैरवी	केहारवातालः
वादी- म		संवादी - स
जातिः -	औडवः	औडवः

आरोहः – स ग् म ध् नि् स

(कोमलाः - ग् ध् नि्)

अवरोहः – स नि् ध् म ग् स

मख्यस्वरसमूहः (पकड)

म ग् म नि् ध् म ग् स

जय भारत जननि, जय भारत जननि।

जय भारत जननि, स नि् ध् म ग् म ग् स ।।

।।ध्रुवपदम् ।।

भारतमाता बुधजनगीता, निर्मलगङ्गाजलपूता ।

जय भारत जननि, जय भारत जननि।

जय भारत जननि, ग् म ध् नि् सऽ सऽ

जय भारत जननि , नि् स ध् नि् म ध् ग् म ।

शिरसि विराजते हिमगिरिमुकुटम्।
चरणे हिन्दुमहोदधिसलिलम्।
जघने सस्यलतातरुवसनम्।। जय भारत जननि ।।१।।
ऋषिवर घोषित मन्त्रपुलकिता।
कविवर गुम्फित पावनचरिता।
धीरवीरनृपशौर्यपालिता।। जय भारत जननि।।२।।
मम मनसि सदा तवपदयुगलं।
संस्कृत – संस्कृति सततचिन्तनम्।

भाव – राग – लय – ताल मेलनम्।।
जय भारत जननि।।३ ।।

नाम : के. पवनराजः
कक्षा : VIII

DRAWING CORNER

NAME : ANJUM DK

CLASS : IX

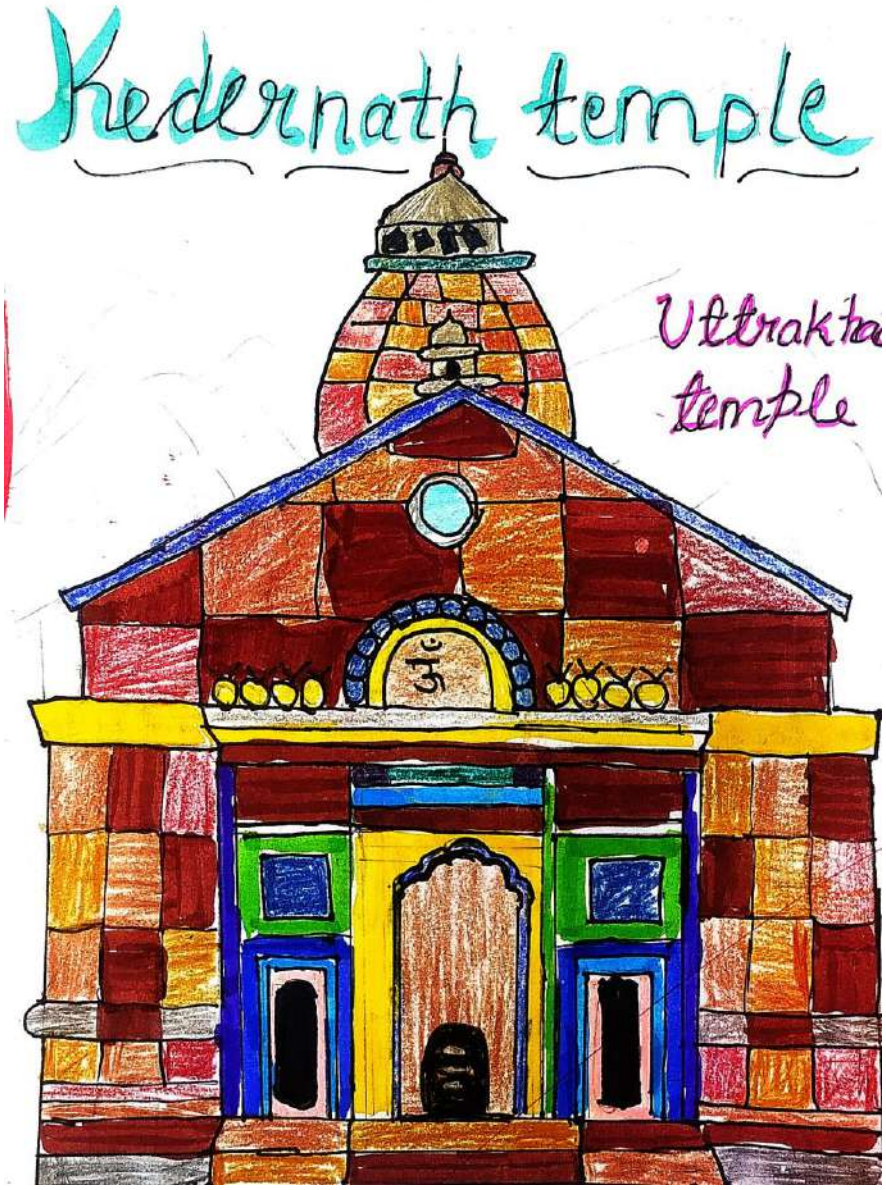

NAME :HANIYA

CLASS: V

NAME : NIHARIKA

CLASS : VIII

NAME : NILESH

CLASS : IV

NAME : SRIRAMA

CLASS : IV

PAINTING CORNER

NAME : VAIBHAV KUMAR

CLASS : IV

NAME : YUKTHAMUKI

CLASS : IV

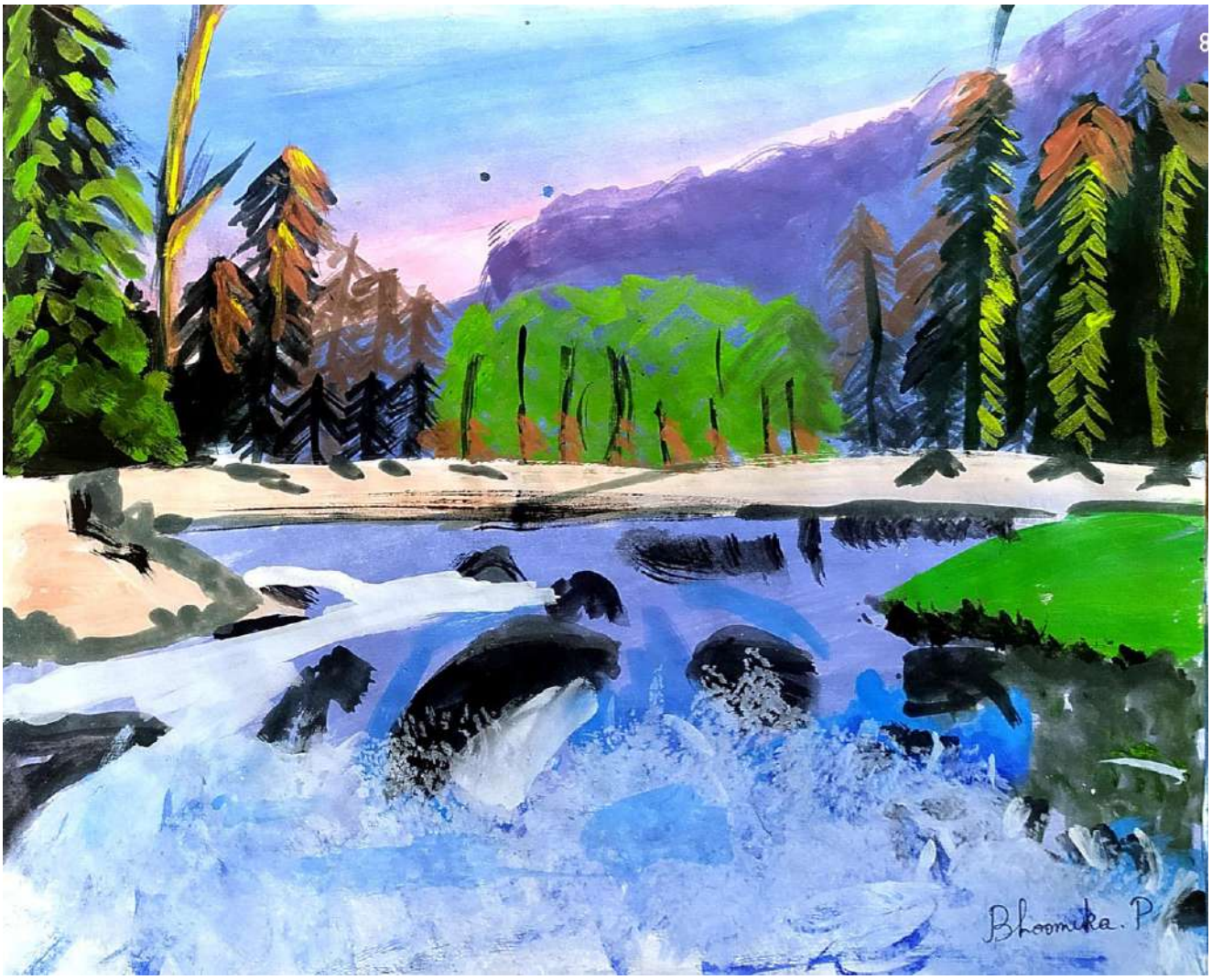

NAME : BHOOMIKA

CLASS : VII

NAME : NIRANJAN

CLASS : III

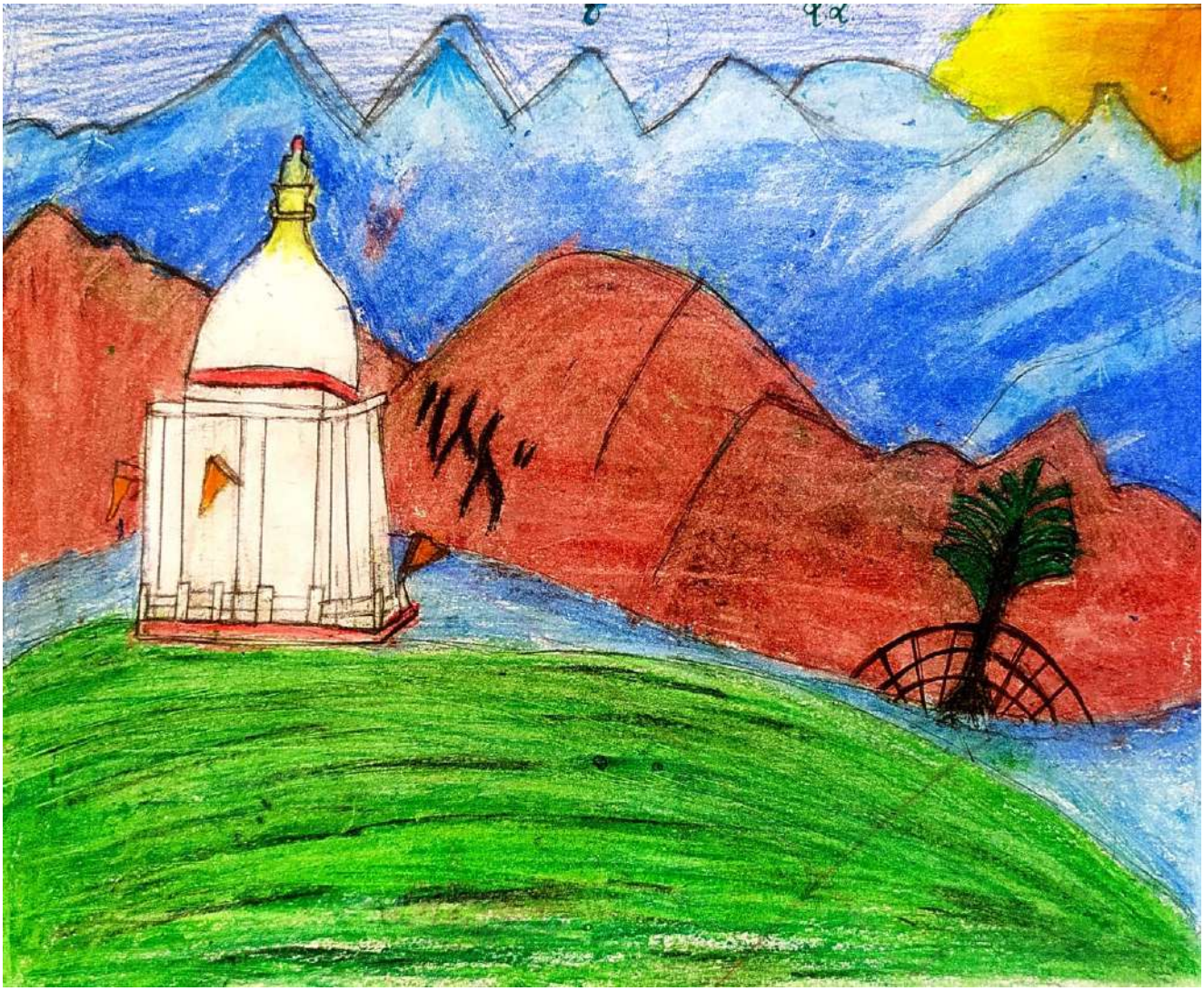

NAME : VAISHNAVI

CLASS : IV

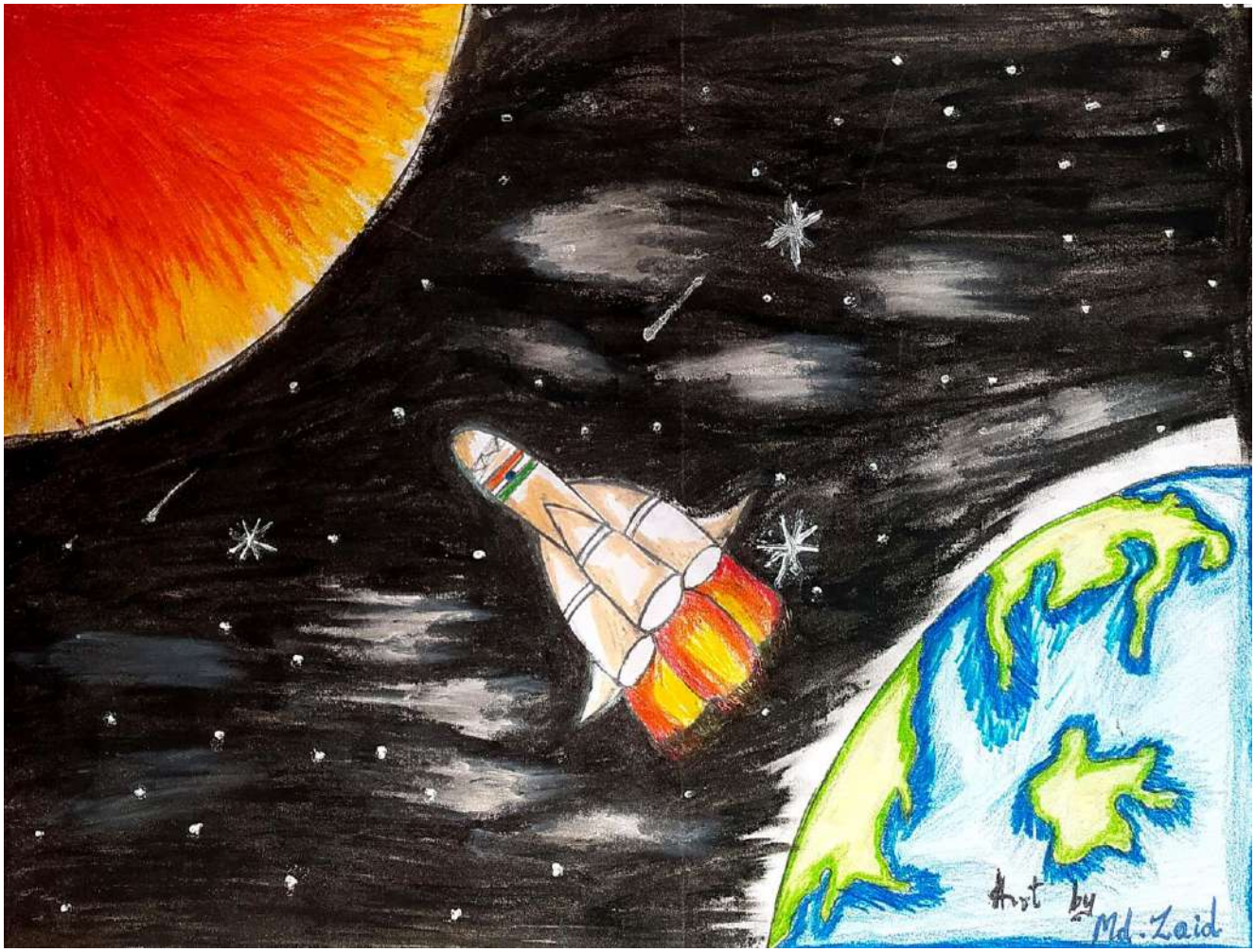

NAME : MOHAMMED ZAID

CLASS : VIII

NAME : KRUTHIKA

CLASS : VI

NAME : INCHARA

CLASS : III

CREATIVE CORNER

NAME: CHARITHA

CLASS : IV

विद्यालय संगठन

Rainy season
Nature of
Rainy Season

BUILDING INAUGRATION

SHRI NARENDRA MODI
Honorable Prime Minister of India

P.M. SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
NARENDRA MODI

NEW SCHOOL BUILDING
Jammu-JK
NIC

P.M. SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
Gangavathi, Karnataka
VIRTUAL INAUGURATION OF NEW SCHOOL BUILDING
SHRI NARENDRA MODI
Honorable Prime Minister of India
Date : 20-02-2024 • Time 11:00 am to 1:00 pm
केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA

Shri Narendra Modi

Shri Narendra Modi

HOOL BUILDING
MODI

SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
VIRTUAL INAUGURATION OF NEW SCHOOL BUILDING
SHRI NARENDRA MODI

V SCHOOL BUILDING
VIRTUAL INAU

ಪಿ.ಎಮ್. ಶ್ರೀ ಕೇಂದ್ರೀಯ ವಿದ್ಯಾಲಯ, ಗಂಗಾವತಿ, ಕರ್ನಾಟಕ
पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय, गंगावती, कर्नाटक
P.M. SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
Gangavathi, Karnataka
VIRTUAL INAUGURATION OF NEW SCHOOL BUILDING
By
SHRI NARENDRA MODI
Honorable Prime Minister of India
Date : 20-02-2024 • Time 11:00 am to 1:00 pm
ಕೇಂದ್ರೀಯ ವಿದ್ಯಾಲಯ
केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA

CCA ACTIVITIES

ASTRONAUTS
Welcome to Balvatika
बाल वाटिका
Enjoy the learning
JOURNEY

Craft
Paper Boat
the learning
JOURNEY

Shape
CARE

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
SELFIE PO
PM SHRI
PM SCHOOL
FOR RISING

SWACHHATA HE SEVA DRIVE HELD ON OCT 1ST 2023

INDEPENDENCE DAY 2023-24

ालय, विरुपापुर, गंगावती
LAYA, VIRUPAPURA, GANGAVATHI
Ministry of Education, Govt. of India)
r, Anegundi Road, Gangavathi, Dist. Koppal - 583 227.
OMES YOU
ELEBRATES
ENDENCE DAY

CELEBRATES
Telented Tuesday
CELEBRATES
INDEPENDENCE DAY

(An Autonomous Body Under Ministry of Educa
Behind Mini Vidhana Soudha, Sai Nagar, Anegundi Road, Gangava
OMES
RIYA VIDYAL
UPAPURA, GA
BRATES

PURA, GANGAVATHI
ES
esday

WORKSHOP BY SPIC MACHY SITAR 2023-24

, विरुपापुर, गंगावती
VIRUPAPURA, GANGAVATHI
EBRATES

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA, VIRUPAPURA, GANGAVATHI
(An Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of India)
Behind Mini Vidhana Soudha, Sai Nagar, Anegundi Road, Gangavathi, Dist. Koppal - 583 227.
WELCOMES YOU

DIYA DECORATION 2023-24

GRANDPARENTS DAY CELEBRATION 2023-24

ಕೇಂದ್ರೀಯ ವಿದ್ಯಾಲಯ, ವಿರೂಪಾಪುರ, ಗಂಗಾವತಿ.
केन्द्रीय विद्यालय, विरुपापुर, गंगावती
KENDRIYA VIDYALAYA, VIRUPAPURA, GANGAVATHI
(An Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of India)
Behind Mini Vidhana Soudha, Sai Nagar, Anegundi Road, Gangavathi, Dist. Koppal - 583 227.
WELCOMES YOU

केन्द्रीय विद्यालय, विरुपापुर,
KENDRIYA VIDYALAYA, VIRUPAPURA,
(An Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of
Behind Mini Vidhana Soudha, Sai Nagar, Anegundi Road, Gangavathi, Dist. Koppal -
WELCOMES YOU

ANNUAL
SPORTS DAY

केन्द्रीय विद्यालय
विरुपापुर, गंगावती
आपका स्वागत है
KENDRIYA VIDYALAYA
VIRUPAPURA, GANGAVATHI
Welcomes You
SPORTS DAY
21 DEC 2023

RASHTRIYA EKTHA DEVAS 2023-24

ACHIEVEMENTS

ADITYA NARAYAN BHAT FROM CLASS 6 SELECTED FOR OPEN NATIONAL UNDER JUNIOR CATEGORY NATIONAL CHILDREN SCIENCE CONGRESS(NCS) 2023-24

PARTICIPATION IN KVS NATIONAL LEVEL KALA UTSAVA AND EK BHARAT SHRESTH BHARAT

GREEN SCHOOL UNDER PM SHRI

VERMI COMPOST